हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-29 ♦देहरादून - रविवार 18 मई 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-

सेवा, संस्कृति और स्वावलंबन के लिए मंगल दलों का योगदान सराहनीय

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को मुख्य सेवक संवाद के तहत प्रदेशभर से आए युवक एवं महिला मंगल दलों के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मंगल दलों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि 04 हजार रूपये से बढ़ाकर 05 हजार रूपये की जायेगी। मंगल दलों को आत्मनिर्भर बनाने और ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए नीति बनाई जायेगी। मंगल दलों को डिजिटल मिशन के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिया जायेगा। राज्य स्तर पर एक पोर्टल बनाया जायेगा, जिससे प्रत्येक युवा और महिला मंगल दल को एक दूसरे से जोड़ा जायेगा।

मुख्यमंत्री ने मंगल दलों द्वारा सामाजिक सेवा, सांस्कृतिक संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मंगल दल उत्तराखंड की संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। युवक एवं महिला मंगल दल प्रदेश की सामाजिक चेतना को मजबूत करने, लोक परंपराओं को संजोने और गांव–गांव में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदाओं के समय मंगल दल 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका निभाते हैं और जनजागरूकता अभियानों में भी आगे रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मंगल दलों को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि मंगल दलों को स्वरोजगार के लिए 50 हजार रुपये से 3.5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा मंगल दल स्वावलंबन योजना के अन्तर्गत 5 करोड रूपये, मुख्यमंत्री ग्रामीण खेलकूद एवं स्वास्थ्य संवर्धन योजना के अन्तर्गत 2 करोड़ रूपये से अधिक, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत 60 करोड़ रूपये का प्राविधान किया गया है। मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना के अन्तर्गत 10 करोड़ रूपये की धनराशि की व्यवस्था की गई है। युवाओं को तकनीकि और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए पं० दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना 21 करोड़ रूपये से अधिक का प्राविधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोक संस्कृति के संवर्धन के लिए भी निरंतर प्रयासरत है और स्थानीय मेलों व पर्वों के आयोजन के लिए आर्थिक सहयोग

12 वर्षों बाद माणा गांव में शुरू हुआ पुष्कर कुंभ

देहरादून। चमोली के सीमांत गांव माणा में स्थित केशव प्रयाग में 12 वर्षों बाद विधि विधान के साथ पुष्कर कुंभ का आयोजन शुरु हो गया है। जिसे लेकर बदरीनाथ धाम के साथ ही माणा गाँव में बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों की आवाजाही बढ़ गई है। पुष्कर कुंभ के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन के साथ पुलिस प्रशासन की ओर से यहां तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि माणा गांव के केशव प्रयाग में आयोजित पुष्कर कुंभ को लेकर पैदल मार्ग का सुधारीकरण किया गया है। यहां पैदल मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न भाषाओं में साइन बोर्ड लगाए गए हैं। इसके साथ ही कुंभ के सुचारू संचालन के लिए जहां पैदल मार्ग पर पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं संगम तट पर एसडीआरएफ के जवानों की तैनाती भी की गई है। उन्होंने बताया कि तहसील प्रशासन को पुष्कर कुंभ के आयोजन को लेकर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि तीर्थ स्थल न केवल हमारी धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि ये देश की एकता और सांस्कृतिक एकजुटता के भी प्रतीक हैं। विभिन्न स्थानों से आने वाले श्रद्धालु इन स्थलों पर एकत्र होकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करते हैं। इसी क्रम में माणा गांव में आयोजित पुष्कर कुंभ, उत्तर को दक्षिण से जोड़ रहा है।

बता दें कि, चमोली जिले के सीमांत गांव माणा में 12 वर्षों के बाद पुष्कर कुंभ का आयोजन किया जा रहा है।

बदरीनाथ धाम में प्लास्टिक कचरे को नगर पंचायत ने बनाया आय का साधन

संवाददाता चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर चार धाम यात्रा का संचालन हरित चार धाम यात्रा की थीम पर किया जा रहा है। जिसे लेकर चार धाम यात्रा मार्ग पर स्वच्छता के साथ ही धामों में प्लास्टिक कचरे के निस्तारण को लेकर नगर पालिका और पंचायतों की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर पंचायत बदरीनाथ की ओर से बद्रीनाथ धाम में प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए विपणन की व्यवस्था बनाई गई है। जिससे नगर पंचायत को आय मिलने लगी है।

नगर पंचायत बदरीनाथ के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित ने बताया कि धाम में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन के लिए जहां क्यूआर कोड़ व्यवस्था लागू की गई है। वहीं इसके निस्तारण के लिए नगर पंचायत की ओर से विपणन की व्यवस्था बनाई गई है। यहां धाम से एकत्रित किए जा रहे प्लास्टिक कचरे को ब्लॉक बनाकर विपणन किया जा रहा है। ऐसे में इस वर्ष यात्रा शुरू होने से अभी तक 7 दिनों में नगर पंचायत की ओर से 4.2 टन अजैविक कचरे का विपणन कर किया गया है। जिससे नगर पंचायत बदरीनाथ ने 50 हजार 116 रुपए की आय अर्जित की है। उन्होंने बताया कि धाम में वर्ष 2022 से एमआरएफ सेंटर का संचालन किया जा रहा है। जहां धाम से निकलने वाले कचरे को अलग–अलग कर कम्पोस्टिंग और कॉम्पेकटिंग कर निस्तारित किया जाता है। कहा कि कचरे के सेग्रीगेशन के लिए यहां 1 सुपरवाइजर के साथ 12 पर्यावरण मित्रों की तैनाती की गई है।

पुरोला के नेत्री गांव में ध्याणी मिलन कार्यक्रम

संवाददाता पुरोला। नेत्री गांव में आयोजित ध्याणी मिलन कार्यक्रम भक्ति और श्रद्धा के अद्भुत संगम का साक्षी बना। इस अवसर पर ध्याणियों (देवता के प्रति समर्पित विवाहित महिलाएं) ने अपने इष्ट देव शिकारुनाग महाराज को चार सोने के छत्र और रेणुका देवी को एक चांदी की डांगरी भेंट कर अपनी गहरी आस्था प्रकट की। कार्यक्रम की शुरुआत शिकारुनाग देवता की डोली को गंगनानी से गंगा स्नान करवाकर गांव में लाने के साथ हुई। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि के बीच देवडोली ने पूरे गांव का भ्रमण किया। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने भव्य भंडारे का आयोजन कर सभी का स्वागत किया। ध्याणी मिलन कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का माहौल देखते ही बन रहा था। ध्याणियों ने देवडोली के साथ पारंपरिक रासो, तांदी और अन्य स्थानीय गीत गाकर खूब उत्सव मनाया।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से नहीं किया जाएगा कोई समझौताः डॉ. आर. राजेश कुमार

संवाददाता देहरादून। गर्मियों में तापमान में तेजी से वृद्धि और पर्यटन सीजन की शुरुआत को देखते हुए उत्तराखंड खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। राज्य भर में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर और ठंडे पेय पदार्थों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और उनके उचित भंडारण के लिए सख्त दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। अपर आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ताजबर सिंह जग्गी ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव व आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देश पर यह आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा, गर्मी के मौसम में बाजार में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर और अन्य ठंडे पेय पदार्थों की मांग में भारी वृद्धि होती है। लेकिन देखा गया है कि कई स्थानों पर इनका भंडारण खुले में और अनियमित तरीकों से किया जा रहा है, जिससे इनकी गुणवत्ता पर असर पड़ता है।

सम्पादकीय

है सेना का शौर्य अजेय

भारतस्य शान्तिं य: विघ्नयति, तं नाशयेम वीर्यत:।
सैनिका: पराक्रमेण, प्रतिघातं कुर्वन्ति शत्रुषु।
धैर्यं बलं च तेजश्च, अस्त्रं तेषां न सज्जनम्।
नि:शेषत:पतन्त्येते, ये कुर्वन्ति दुष्कृतमृ ।।

अर्थात

भारत देश की शांति को जो भी भंग करता है,उसे हम अपने पराक्रम से नष्ट करते हैं। हमारे सैनिक साहस और शक्ति से उन आतंकवादी/शत्रुओं को माकूल जवाब देते हैं। हमारे परमवीर सैनिक अपने शौर्य और तेज से उन आतंकी/ दुष्टों को पूरी तरह समाप्त कर देते हैं।

भीतर से पूरी तरह खोखला हो चुका पाकिस्तान आज जिस प्रकार का दुस्साहस कर रहा है, "ऑपरेशन सिंदूर" उसका सशक्त जवाब था। स्मरणीय है कि पाकिस्तान परस्त आर्तकियों ने 22 अप्रैल,2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में वीभत्स व बर्बर घटना को अंजाम दिया था,जिसकी निंदा देश-दुनिया ने की थी लेकिन आतंकवाद का पोषक पाकिस्तान व उसके आका मौन रहे। भारत के आन-मान-शान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने सारे प्रमाण दिए, उसके बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो अंतत: श्ऑपरेशन सिंदूरश चलाया गया। पहले ही दिन 100 से अधिक आर्तकियों व प्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद के विषबेल को पालने-पोसने में योगदान देने वाले उनके परिवार से जुड़े लोगों को वीभत्स कृत्य की सजा दी गई। सभी ने भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्य का लोहा माना। पाकिस्तान की हिमाकत का थल, वायु व नौसेना के बहादुर जवानों ने मजबूती से जवाब दिया और दुनिया को भी संदेश दिया कि हम छेड़ेंगे नहीं, लेकिन यदि किसी ने छेड़ दिया तो उसे छोड़ेंगे भी नहीं। जल,थल एवं वायुमार्ग से उठ सकने वाले शत्रुओं का दमन करने में हमारी सेना बेजोड़ है। हमारे परमवीर सेनानियों का अतुलनीय पराक्रम और शौर्य वंदनीय है।

भारत के आन,मान-शान तथा शौर्य-पराक्रम के प्रतीक ; षतिरंगाष के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में वाले वीर सेनानियों को कोटि कोटि नमन एवं वंदन। अतुलित पराक्रम ,अपरिमित शौर्य, अबूझ मेधा से परिपूर्ण अजेय सेनानियों का शौर्य प्रतिपल और सशक्त अदम्य होता रहे। स्वाभिमान के सर्वोच्च शिखर पर तिरंगा शान से लहराता रहे, मां भारती के सपूतों का हृदय हरपल हर्षाता रहे, यही परमेश्वर से कामना है। भारत माता की जय!! जय देवभूमि उत्तराखंड!! जय भारत!!

डॉ.गार्गी मिश्रा

राजनीति में भाषा संयम

अजय दीक्षित

पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के एक तृणमूल के मंत्री ने आदरणीय महामहिम राष्ट्रपति के शक्ल सूरत पर अभद्र टिप्पणी की है । भारत में रंग को लेकर जो चेतना है, वह विदेशों में और यहां तक दक्षिण पूर्व एशिया के दूसरे देशों में नहीं है । रोज भारत के अखबार जो मेट्रोमोनियल विज्ञापन छपते हैं, उनमें वधु का गोरी होना एक अनिवार्य शर्त है । अमरीका में व्हाइट अमेरिकन काली अफ्रीकी लड़कियों से डेटिंग और शादी भी करते हैं । भारत के पड़ौस में श्रीलंका में कोई रंग-भेद नहीं है । परन्तु भारत, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश में लडकी का गोरे रंग से सुन्दर होना उसका एक आवश्यक गुण माना जाता है । परन्तु बात केवल रंगभेद की नहीं है । भारतीय राजनीति में परस्पर मुद्दों पर मतभेद व्यक्तिगत दुश्मनी का सबब बन जाता है । यहां पक्ष और विपक्ष परस्पर अपने को एक दूसरे का दुश्मन समझते हैं । इंग्लैण्ड की हम नकल करते हैं परन्तु वहां एक भारतीय मूल के ऋषि सुनक को वहां का प्रधानमंत्री बनाया गया है । यूं वह जन्म से ब्रिटिश हैं, परन्तु उसका भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज से नाता है । वह प्रोटेस्टेंट क्रिश्चियन नहीं हैं । उसके लिए आर्चवडी ऑफ केन्टबडी सबसे बड़े धर्मगुरु रहे हैं । उसका नाम ही ऋषि सुनक है । शास्त्रों में वर्णित है कि महर्षि भृगु के पुत्र चेतन्य ने अपनी पत्नी सुकन्या के गर्भ से प्रमति को जन्म दिया । प्रमति ने धृताची अप्सरा से रुद्र नामक पुत्र को जन्म दिया । रुद्र ने अपनी पत्नी प्रमद्वरा के गर्भ से शुनक को जन्म दिया । शुनक भृगु वंश के थे । शुनक के पुत्र शौनक हुए । शौनक दस हजार शिष्यों वाले गुरुकुल के कुलपति थे । इंग्लैण्ड के सुनक की पढ़ाई लिखाई इंग्लैण्ड के सबसे महंगे स्कूल में हुई । वे जन्म से वहां के नागरिक हैं, परन्तु उनकी शादी भारत में हुई है, वह व उनकी पत्नी शायद अभी भी भारतीय नागरिक हैं क्योंकि इसी बलबूते पर अपनी आय पर ब्रिटेन का इनकम टैक्स देने से बचती रहीं । उनकी दो बेटियां हैं और उनके नाम भी ब्रिटिश शैली के नाम नहीं हैं । परन्तु हम बात भारत में राजनैतिक नेताओं के बिगड़े बोल के लिए कर रहे हैं । अभी हाल में तेलंगाना में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें लोग ढेरों गालियां देते हैं । उनका कहना था कि कोई तेलंगाना के लोगों को गाली देने का साहस न करे । अब यदि किसी ने प्रधानमंत्री को गाली दी थी तो भाजपा प्रवक्ता उस पर मुकदमा ठोक देते । बुद्धिजीवियों का मानना है कि यह प्रधानमंत्री का गुजरात चुनाव में श्विकटम कार्डश है । यूं आकलन के अनुसार गुजरात में भाजपा ही विजयी होगी । हां श्आपश पार्टी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रमुख विपक्षी पार्टी हो सकती है, गुजरात में । कांग्रेस तो साफ है ।

असल में सोनिया जी ने मोदी जी को श्मौत का सौदागरश कहा था । यह शायद शिष्टता की पराकाष्ठा है । पर मोदी जी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए राज्यसभा में कहा था कि बरसाती पहन कर नहाने की कला कोई डाक्टर साहब से सीखे । एक बार राज्यसभा में ही रेणुका के लिए शुपणखा किससे कहा था ? अरविन्द केजरीवाल को ए.के.47 भी लोगों को मालूम है कि किसने कहा था ! असल में कोई भी भारतीय राष्ट्रपति के लिए कहे अपशब्दों का समर्थन नहीं कर सकता । अब ममता बनर्जी ने माफी भी मांग ली है । परन्तु भारत के राजनेताओं को समझना चाहिए कि देश संचालन में उनकी राय और नीति ही मात्र अलग-अलग है अन्यथा दोनों को भारत से प्यार है । आजकल असल में पक्ष-विपक्ष देश हित में एक जुट होना नहीं जानता । पं. जवाहरलाल नेहरू की पहली कैबिनेट में श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी थे । कम्युनिस्ट भी थे । समाजवादी भी थे । शायद समय आ गया है कि कुछ साल तक दलगत राजनीति बन्द होनी चाहिए और केन्द्र व राज्यों में राष्ट्रवादी सरकारें बनें और सभी मिलकर देश हित में काम करें । जय भारत जय इण्डिया ।

नए भारत की साहसिक पहल

डॉ. सुरेन्द्र कु. मिश्र

अमेरिका द्वारा भारत-ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह परियोजना के संबंध में हुई डील को नया बताकर अपनी नराजगी व्यक्त की गई।

इसके साथ ही भारत-ईरान के बीच 10 साल के इस अनुबंध पर अमेरिका प्रतिबंध लगा सकता है क्योंकि वह इसे नए दृष्टिकोण से देख रहा है अमेरिका को इस बात का गंभीरता से भी विचार करना होगा कि दबाव, दमन, दहशत व दादागिरी की नीति हमेशा नहीं चलती है। प्रत्येक देश अपने भू आर्थिक, भू-राजनीतिक तथा भू-सामरिक हितों को ध्यान में रखकर कार्य करता है जैसा कि भारत ने ईरान के साथ इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। भारत चाबहार बंदरगाह को पाकिस्तान में चीन द्वारा निर्मित बंदरगाह के काउंटर के रूप में देखता है।

भारत और ईरान के चाबहार बंदरगाह के संगठन और उनके अनुबंध के लिए और मेगा कनेक्टिविटी योजनाओं के माध्यम से परियोजनाओं के अगले चरण के विकसित करने के लिए यह समझौता हुआ है। भारत इसे अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के साथ एकीकृत करने की योजना बना रहा है, ताकि ईरान के माध्यम से भारत से रूस तक एक निर्बाध व्यापारिक मार्ग तैयार किया जा सके। भारत एक संयुक्त देश है और यह अनुबंध भारत और ईरान दोनों देशों के लिए बेहद एक सामयिक, सामरिक एवं संवेदनशील विशेष समझौता है कि मध्य एशिया और उससे आगे तक पहुंच आसान हो जाएगी। यह चीन द्वारा पाकिस्तान के ग्वादर में बनाई जा रही अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का एक करारा जवाब भी है।

ओमान की खाड़ी पर दक्षिणी पूर्वी ईरान में स्थित चाबहार एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह है। यह ईरान के एकमात्र समुद्री बंदरगाह के रूप में कार्य करता है और इसमें 'शाहिद कलंतरी' 'शाहिद बेहिश्ती' नामक दो अलग-अलग बंदरगाह शामिल हैं। यह बंदरगाह भारत को अरब सागर में चीन की उपस्थिति को नजरअंदाज करने में सक्रिय सहयोग देता है। अपनी भौगोलिक अवस्थिति, आर्थिक व व्यापारिक तथा सामरिक कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत के लिए एक विशेष महत्त्व का क्षेत्र है। यही कारण है कि इस बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) के रूप में भी जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि यह भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अजरबैजान, अर्मेनिया, रूस के साथ ही मध्य एशिया तथा यूरोप के बीच व्यापार हेतु 7200 किलोमीटर की बहुउद्देश्यीय परिवहन परियोजना भी है। भारत अल्पकालिक समझौते पर इस बंदरगाह का संचालन कर रहा था, जिसे समय-समय पर नवीनीकृत करना पड़ता था। जब चाबहार में निवेश की बात आई तो अल्पकालिक समझौते और ईरान के भू-राजनीतिक तनाव ने शिपर्स और निवेशकों को इससे दूर रखा था। इसके कारण एक बार तो ईरान इस समझौते में प्रगति न होने के कारण अपने कदम चीन की ओर बढ़ाने की मंशा बना ली थी। वास्तव में इस योजना को क्रियान्वित करने की चीन की क्षमता एवं संपन्नता भी थी।भारत के इस समझौते के बाद अमेरिका ने प्रतिबंध की चेतावनी को 'प्रतिबंधों का संभावित जोखिम' की बात कहकर अपने रुख में परिवर्तन का संकेत दिया है। आखिरकार भारत ने अपने रणनीतिक एवं आर्थिक महत्त्व चाबहार बंदरगाह को दस वर्ष के लिए विकसित और संचालित करने के लिए ईरान के साथ 13 मई को इस समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। वास्तव में यह एक नए भारत की साहसिक पहल है जो किसी भी प्रतिबंध की अब परवाह नहीं करता, विशेष रूप से भू-आर्थिक, भू-सामरिक एवं भू-राजनीतिक पहल के मामलों में। आखिर द्वंद्व कहां तक टाला जाए, भारत समझ गया है कि समय पर सामरिक व आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर जरूरी हो गए, जिसे जरूरत पडने पर जवाब देना भी जेहन में रखना होगा। यह बात अमेरिका को समझनी होगी कि यह समझौता कोई 'नया' नहीं है, यह तो केवल विगत रूप में संचालित हो रहे कार्यक्रम की निरंतरता है। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में चीन की मौजूदगी को देखते हुए भारत की चाबहार की ओर पहल एक महत्त्वपूर्ण सामयिक एवं सामरिक आवश्यकता बन गई थी।

स्मरणीय है कि अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप ने वर्ष 2018 में भारत, चीन तथा तुर्की को ईरान प्रतिबंधों से छूट दी थी, जबकि वाशिंगटन ओमान की खाड़ी के बंदरगाह पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा था1 चूंकि यह युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में उसकी उपस्थिति के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण था। वास्तव में अगर अमेरिका इसे एक नए समझौते के रूप में देखता है तो यह उसकी भारी-भूल होगी, क्योंकि मई 2016 में मूल रूप से हस्ताक्षर करने के बाद से इस पर बहुत काम हुआ है। भारत चाबहार बंदरगाह में बेहिश्ती टर्मिनल को विकसित करने के लिए भारी-भरकम निवेश कर चुका है। यह बात भी विशेष ध्यान देने योग्य है कि भारत पहले ही अमेरिका के दबाव के कारण फारस की खाड़ी में फरजाद-बी गैस क्षेत्र खो चुका है, जो वास्तव में भारत के लिए एक विशेष आकषर्क तथा आर्थिक व रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण परियोजना थी। अत: भारत ईरान के चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल का प्रबंधन अब अपने हाथ में लेने की अवहेलना कदापि नहीं कर सकता है। यदि भारत किसी कारणवश अमेरिकी प्रतिबंध के दबाव में आ जाता तो खाड़ी क्षेत्र में अपना आर्थिक आधार एवं रणनीतिक प्रभाव खो देता।

यह भी जानना जरूरी है कि अमेरिका द्वारा पहले दी गई प्रतिबंधों की छूट के बाद भारत और ईरान स्वतंत्रता और प्रति-प्रसार अधिनियम 2012 के तहत वाशिंगटन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को मात देने की अनुमति प्रदान की थी। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, तुर्की, ग्रीस तथा इटली आदि को अस्थायी छूट प्रदान की गई थी। इसके साथ ही इन सभी देशों को फारस की खाड़ी देश के साथ व्यापार करने की अनुमति दी गई थी। इस समझौते में भारत ने अपना दृढ़ विश्वास स्पष्ट रूप से दिखाया जो कि सामयिक व सामरिक रूप से बेहद अनिवार्य था। भौतिकता एवं आर्थिक होड़ की दौड़ में कोई भी देश, किसी भी देश का स्थायी मित्र या शत्रु नहीं रह सकता। प्रत्येक राष्ट्र की सभी नीतियों में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति होती है।

कार्यस्थल पर कैसा हो व्यवहार

अपने करियर में हर कोई तरक्की चाहता है। इस तरक्की में जहां बेहतर काम की महत्वपूर्ण भूमिका है, वहीं बेहतर व्यवहार भी बहुत जरूरी है। यहां ऐसे ही बिंदुओं को स्पष्ट किया गया है, जो आपकी तरक्की में मील के पत्थर साबित हो सकते हैं।

हम अपने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा कार्यस्थल पर गुजारते हैं। ऐसे में हमारा व्यवहार ही सबसे पहले हमारे काम आता है, परंतु कई लोग अनजाने में कुछ गलतियां कर जाते हैं, जो उनकी तरक्की के मार्ग में बाधक बन जाती हैं। जानिए कार्यस्थल पर अच्छे व्यवहार को बनाए रखने के कुछ गुर।

आपकी सफलता और विकास में बहुत कुछ आपके द्वारा खुद की बनाई छवि पर निर्भर करता है और आपकी छवि मात्र आपके काम से ही विकसित नहीं होती, बल्कि यह कार्यस्थल पर आपके व्यवहार से भी बनती है। यह बात अक्सर लोग भूल जाते हैं और प्रमोशन के समय उन्हें इस भूल की याद आती है, इसलिए कठोर परिश्रम के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि आप अपने साथियों के साथ अच्छा बर्ताव करें और लोगों पर अपने व्यवहार से सकारात्मक असर डालें। कार्यस्थल पर व्यवहार के कुछ बुनियादी पहलुओं की एक सूची हम यहां दे रहे हैं, जिसे हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

ड्रेस कोड का पालन करें

आपकी वेशभूषा आपके प्रोफेशनलिज्म और आत्मविश्वास को बनाने या बिगाड़ने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। दफ्तर के ड्रेस कोड का पालन न करना न केवल सहकर्मियों की निगाह में आपको गैर-जिम्मेदार बनाता है, बल्कि प्रोफेशनल छवि को भी नष्ट करता है।

समय की पाबंदी

समय का पाबंद न होना अन्य लोगों को बुरा लग सकता है और आपकी प्रोफेशनल छवि को तो नुकसान पहुंचाता ही है। काम या अपॉइंटमेंट्स में देरी होना यह दर्शाता है कि आप कार्य के प्रति गंभीर नहीं हैं। साथ ही यह न केवल आपके, बल्कि दूसरे लोगों के काम पर भी असर डालेगा। अन्य लोगों के समय की इज्जत करें और मीटिंग्स और अपॉइंटमेंट्स आदि के लिए समय पर पहुंचें।

सहकर्मियों और वरिष्ठों की इज्जत

अन्य लोगों की इज्जत करना बुनियादी शिष्टाचार का हिस्सा है। दूसरों की इज्जत न करने से केवल नकारात्मकता और नफरत ही उपजती है। आप काम करने में कितने भी कुशल क्यों न हों, लेकिन यदि आप अपने साथियों की इज्जत नहीं करते तो आपकी सफलता की संभावना समाप्त हो जाती है। यहां तक कि ऐसे माहौल में रहना, काम करना भी दूभर हो जाता है। इसलिए अपने सहकर्मियों की इज्जत करते हुए कार्यस्थल पर आपसी सहयोग की संस्कृति को मजबूत करें।

दफ्तर की मर्यादा बनाए रखें

चिल्लाना, तेज बोलना, किसी की बात काटना, बेबात शोर मचाना, मोबाइल की घंटी को बजते रहने देना आदि दफ्तर की मर्यादा को बिगाड़ते हैं। ऐसे कार्यो से बचें, जो दफ्तर का माहौल खराब करते हैं। याद रखें कि वहां और लोग भी काम करते हैं, जिन्हें आपकी इन आदतों से दिक्कत होगी। हमेशा दफ्तर की गरिमा का ख्याल रखें और सबके लिए माहौल शांतिमय और स्वस्थ बनाने में सहयोग दें।

अफवाहें न फैलाएं

अफवाहों का आपकी प्रोफेशनल छवि पर विपरीत असर पड़ता है। सभी प्रोफेशनल्स को इस आदत से दूर रहना चाहिए। हर जगह ऐसे लोग जरूर होते हैं, जो अफवाहों और गपबाजी में अपना सारा समय बर्बाद करते हैं। ऐसे लोगों को कभी इज्जत की निगाह से नहीं देखा जाता। यहां तक कि कुछ कंपनियों में तो ऐसे अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी नीतियां भी बनी हुई हैं। सबकी सुनें पर कभी अफवाहें फैलाने का हिस्सा न बनें। कई बार दफ्तर एक प्राइमरी स्कूल की भांति भी होता है, जहां आपको अच्छे व्यवहार के नंबर भी मिलते हैं। हालांकि, कार्यस्थल पर अच्छे व्यवहार की कोई नियमावली नहीं होती, फिर भी आपकी तरक्की और छवि को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए कड़ी मेहनत के साथ-साथ अच्छा व्यवहार भी दर्शाएं। आप पाएंगे कि प्रमोशन के समय यह गुर किस तरह आपके पक्ष में काम करता है।

ब्राइडल ब्यूटी ट्रीटमेंट्स को आजमायें

अगर आप भी अपनी शादी के दिन बेहद खूबसूरत दिखने की तमन्ना रखती हैं तो इन ब्राइडल ब्यूटी ट्रीटमेंट को जरूर आजमायें

हेयर स्पा करवाने से बालों का रूखापन, डैंड्रफ, बालों का झडना आदि समस्या देर हो जाती है। हेयर स्पा में में ऑयल से हेड मसाज भी दिया जाता है, जिससे की बालों को नमी मिलती है, इसलिए ब्राइड को कम से कम दो बार जरूर हेयर स्पा करवाना चाहिए। इसके अलावा अगर आपके बाल रूखे-बेजान हैं तो मौइश्चारजिंग और एंटी फ्रिज शैंपू फ्रिज का यूज करना शुरू कर दें ताकि शादी वाले दिन आपके बाल चमकदार व सुन्दर नजर आएं।

ब्राइडल ब्यूटी ट्रीटमेंट में फेशियल दो तरह के दिए जाते हैं। ये दोनों फेशियल 20-25 दिन के गैप में दिए जाते हैं। पहली बार जो फेशियल दिया जात है वो त्वचा के मुताबिक होती है। अगर आपकी स्किन में नमी की कमी है तो ऑक्सीजन फेशियल, डार्क सर्कल है तो डार्क सर्कल ट्रीटमेंट या फिर एक्ने की समस्या है तो एंटी-एक्ने फेशियल दिया जाता है। शादी से एक दिन पहले इंस्टेंट ग्लो फेशियल जैसे-डायमंड, गोल्ड, सिल्वर आदि फेशियल दुल्हन को दिया जाता है।

फैशन के इस दौर में बहुत सी ब्राइड्स आई लैसेज एक्सटेंशन करवाना भी पसंद करती हैं। यह एक बार आंखों में फिक्स कर दिया जाता है। इसे आप कभी भी करवा सकती हैं।

दुल्हन को शादी के 15 दिन पहले एक बॉडी पालिशिंग ओर दूसरी बार शादी से एक दिन पहले बॉडी पॉलिशिंग करवाना चाहिए। पहले वाले बॉडी पॉलिशिंग में डेड-शी-साल्ट से बॉडी पॉलिशिंग दी जाती है और फिर दूध की सहायता से इसे साफ किया जाता है। शादी`स एक दिन पहले वाले बॉडी पॉलिशिंग में इंस्टेंट ग्लो के गोल्ड, डायमंड, चॉकलेट की बॉडी पॉलिशिंग ब्राइड को दी जाती है। बॉडी पॉलिशिंग करवाने से पूरी बॉडी साफ व चमकने लगती है। बॉडी पॉलिशिंग हमेशा फेशियल से पहले करवाया जाता है।

हेयर स्पा जरूरी है बालों के लिए

बालों को हेल्दी और मजबूत बनाने के लिए हेयर स्पा फायदेमंद है। इसलिए कुछ जरूरी बातों का ख्याल रखकर आप घर पर ही हेयर स्पा द्वारा बालों को हेल्दी बना सकती है।

हेयर स्पा बालों को ना सिर्फ मजबूती

प्रदान करता है बल्कि यह टेंशन दूर करने में भी कारगर है। इसलिए हेयर स्पा सिर्फ खूबसूरती की ही दृष्टि से नहीं बल्कि हेल्थ की दृष्टि से भी बेस्ट है। कमजोर बाल, दो मुंहे बालों के लिए हेयर स्पा फायदेमंद है। यही नहीं इसका असर तुरंत नजर भी आने लगती है। साथ ही यह ब्लड सर्कुलेशन को संतुलित करता है।

बालों की परेशानियां को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए हर 15 दिनों पर अपने बालों के हिसाब से हेयर स्पा जरूर करवाएं। यही नहीं अगर माह में एक बार हेयर स्पा अपने रही हैं तो पावर डोज ट्रीटमें के साथ हेयर स्पा करवाएं। यह आपके बालों से डैंड्रफ की परेशानी, बालों गिरना आदि जैसी समस्याओं से राहत दिलाकर बालों को हेल्दी बनाता है।

हेयर स्पा में ऑयलिंग सबसे महत्वपूर्ण चरण है। इसके लिए नारियल तेल, तिल, बादाम, जैतून, तेलों को गर्म करके कॉटन के फाहे की हैल्प से बालों जडों में लगाएं। बालों में तेल लगाने के बाद सिर का अच्छे से मसाज करना। सबसे पहले अंगुलियों के पोर से तेल को पूरे बालों में मलिए। स्कैल्प को हल्के हाथों से दबाते हुए मसाज कीजिए। सिर के सेंटर से मसाज करते हुए कानों और आइब्रो की तरफ भी मसाज करें। थोडा सा तेल सिर के पिछले हिस्से पर डालकर बैक की भी मसाज करें, इसमें गर्दन के पिछले भाग को शामिल करें।

अगर आपके बाल दोमुंहे अत्यधिक क्षतिग्रस्त और कमजोर हों तो रिपेयर हेयर स्पा अपनाया जाता है, जो बालों को स्मूथ ही नहीं बनाता बल्कि क्षतिग्रस्त की स्थिति को भी ठीक करता है।

स्मार्ट तरीके अपनाएं परफेक्ट वुमन बनजाएं

एकदम परफेक्ट वुमन मतलब आज के जमाने में बेस्ट वुमन बनना। जिसका मतलब है कि न सिर्फ घर में हर चीज अच्छे तरीके से ऑर्गेनाइज्ड हो, बल्कि आप इस तरह से हर चीज मैनेज करें कि घर के सभी लोग तो हैप्पी और हेल्दी रहें ही, आप भी संतुष्ट और फिट एण्ड फाइन रहें। नीचे दिये ये टिप्स अपनाइए और बन जाइए एकदम परफेक्ट सुपर वुमन।

आज के समय में टाइम मैनेजमेंट बहुत है।

अगर आप अपने टाइम को परफेक्टली मैनेज कर लेती हैं, तो आपके पास कभी समय की कमी नहीं होगी।

खाने में न्यूट्रीशियस और हेल्दी डाइट पर जोर दें, ताकि आप और आपके परिवार जंक फूड व तली-भुनी चीजों से दूर रह सके।

पडोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखें। जरूरत पडने पर उनकी हैप्पी से पीछे ना हटें। अपना एक सोशल नेटवर्क बहुत जरूरी है, ताकि तकलीफ के समय आप लोगों की मदद ले सकें।

स्मार्टली शॉपिंग करें, कोई भी चीज खरीदने से पहले उसकी उपयोगिता व जरूरत के बारे में विचार कर लें।

फेंड्स व बाकी रिश्तेदारों द्वारा आयोजित सोशल गैदरिंग या अन्य समारोहों में जरूर शामिल हों, ताकि उनको यह महसूस हो कि आपको उनकी कद्र है और जरूरत भी।

मुख्य सचिव ने की सूचना प्रोद्योगिकी विभाग की समीक्षा

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में सूचना प्रोद्योगिकी विभाग की समीक्षा की। बैठक के दौरान सचिव आईटीडीए ने प्रदेशभर में संचालित प्रोजेक्ट्स एवं आईटीडीए को मजबूत करने के साथ ही विभागों द्वारा अपनी वेबसाईट्स एवं ऐप्लीकेशंस को विकसित करने का कार्य आईटीडीए के माध्यम से कराए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने

कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य सचिव ने आईटीडीए को मजबूत किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही, सिस्टम अपग्रेड करते समय अगले 5-7 सालों की आवश्यकता के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि आईटीडीए द्वारा हाईब्रिड मॉडल (एसडीसी और क्लाउड) अपनाने के साथ ही लगातार अपनी क्षमता को बढ़ाया जाए। कहा कि विभागों को क्लाउड सेवा भी आईटीडीए के माध्यम से उपलब्ध करायी जाए।

मुख्य सचिव ने ऐसे विभागों, जिन्हें अपने दैनिक कार्यों के लिए अत्यधिक डाटा संग्रहण करना होता है, द्वारा अपनी अपेक्षित स्टोरेज की आवश्यकता के संबंध में आईटीडीए को अवगत कराया जाए। ताकि आईटीडीए अपेक्षित स्टोरेज क्षमता को परिकलित कर सके।

उन्होंने आईटीडीए को अपनी इंस्टीट्यूशनल मैमोरी भी बढ़ाए जाने की बात कही। कहा कि इंस्टीट्यूशनल मैमोरी के होने से किसी विशेषज्ञ के जाने के बाद सिस्टम बंद नहीं होगा।

निदेशक नितिका खण्डेलवाल ने बताया कि आईटीडीए द्वारा एसडीसी को वर्ष 2018 में स्थापित किया गया है। एसडीसी 2.0 शीघ्र ही तैयार हो जाएगा जिससे आईटीडीए की डाटा संग्रहण क्षमता बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जनपद और ब्लॉक मुख्यालय स्वान नेटवर्क से 100 प्रतिशत परिपूर्ण हैं। साथ ही, 2036 ऑफिस स्वान नेटवर्क से जुडेघ हैं। साईबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में सिस्टम को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। आईटीडीए द्वारा इन-हाउस सॉफ्टवेयर डेवेलपमेंट का कार्य भी बेहतर तरीके से चल रहा है। आईटीडीए द्वारा यूसीसी, पीएम गतिशक्ति उत्तराखण्ड, चारधाम डैशबोर्ड, सीएम हेल्पलाईन, ई-ऑफिस एवं अपुणी सरकार पोर्टल को तैयार एवं संचालित किया जा रहा है।

इस अवसर पर सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री नितेश कुमार झा, श्री बृजेश कुमार संत एवं अपर सचिव श्रीमती रीना जोशी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

देश की सेना का अपमान करने वाले मंत्री को बर्खास्त करें प्रधानमंत्री: धस्माना

देहरादून। भाजपा नेता व मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह के विवादित बयान के बाद कांग्रेस ने उन पर चौतरफा हमला बोला है। प्रदेश महिला कांग्रेस ने मंत्री का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया तो पीसीसी मुख्यालय में उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने प्रेस कांफ्रेंस कर मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। बुधवार को प्रेस को संबोधित करते हुए धस्माना ने कहा कि शाह ने प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेकर देश की सेना का अपमान किया है। इस मुद्दे पर अब तक ना तो प्रधानमंत्री ने कोई कार्रवाई की है और न ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनको पार्टी से बर्खास्त किया है।

ना ही इस प्रकरण में मंत्री के खिलाफ मध्य प्रदेश पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी की तीसरी पीढ़ी सेना में है और उनका देश के लिए योगदान अतुलनीय है। उन पर जिस तरह का हमला भाजपा के मंत्री ने किया, वह बेहद शर्मनाक व देशद्रोह की श्रेणी में आता है।

डीजीपी ने राज्यपाल को दी चारधाम यात्रा से संबंधित जानकारी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से बुधवार को राजभवन में डीजीपी दीपम सेठ ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उनके बीच राज्य की सुरक्षा प्रबंधन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। डीजीपी की ओर से राज्यपाल को चारधाम यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, तकनीकी निगरानी व पुलिस तैनाती के संबंध में अवगत कराया गया, साथ ही अन्वेषण व अभिसूचना संकलन की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए उठाए गए कदमों से अवगत कराया गया। उन्होंने यह भी बताया की पीटीसी नरेंद्रनगर को सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने को कार्य योजना बनाई जा रही है। राज्यपाल गुरमीत ने डीजीपी को उत्तराखंड पुलिस को इसी प्रकार जनसेवा, सुरक्षा और नवाचार की दिशा में पूर्ण मनोयोग व समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारत माता की जय के नारों से गूंजा डोईवाला

ऋषिकेश। आदर्श औद्योगिक स्वायत्तता सहकारिता की ओर से बुधवार को तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा निकाली गई। इस दौरान भारत माता के जयघोष से समूचा क्षेत्र गूंज उठा। यात्रा में शामिल लोग और छात्रों ने भारतीय जवानों के शौर्य की सराहना की। बुधवार को आदर्श औद्योगिक स्वायत्तता सहकारिता के तत्वावधान में पब्लिक इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने मिल गेट से डोईवाला चौक तक तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा निकाली। यात्रा में शामिल छात्र-छात्राओं ने भारत माता की जय के नारे लगाए और भारतीय जवानों को नमन किया। आदर्श संस्था की अध्यक्ष आशा कोठारी ने कहा कि भारतीय सेना दुश्मनों वह आतंकवादियों को उन्हीं की भाषा में सबक सिखाने के लिए सक्षम है। देवभूमि उत्तराखंड वीरों की भूमि भी है। हमारी सेना ने पाकिस्तान को उसकी भाषा में करारा जवाब दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत का डंका विश्व में बज रहा है। पब्लिक इंटर कॉलेज डोईवाला के प्रबंधक मनोज नौटियाल ने कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को सबक सिखाने का काम किया है।

मसूरी में शहीदों के नाम पर बनेगा संग्रहालय

देहरादून। मसूरी में शहीद स्थल के पास खाली पड़ी भूमि पर उत्तराखंड आंदोलन के दौरान हुए शहीदों के नाम पर संग्रहालय बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बुधवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की कई योजनाओं को मंजूरी दी। इसमें मसूरी स्थित शहीद स्थल पर शैड के निर्माण की पुरानी घोषणा को संशोधित करते हुए उसके स्थान पर शहीदों के नाम पर संग्रहालय बनाए जाने का प्रस्ताव भी शामिल हैं। मसूरी शहीद स्मारक समिति की ओर से इस संदर्भ में अनुरोध किया गया था जिसे मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री धामी ने पिथौरागढ़ में बरड़ बैंड से पांखू कोकिला देवी मंदिर तथा पांखू से धरम घर होते हुए कोटमनिया तक सडक सुधारीकरण व डामरीकरण को भी मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अल्मोडा की जागेश्वर विधानसभा के ग्राम पंचायत पीतना में बहुउद्देशीय भवन के निर्माण के लिए भी 95 लाख की धनराशि मंजूर की गई है। जबकि इसी विधानसभा के गांधी इंटर कॉलेज के पनुआनौला में चार कक्षों के निर्माण के लिए करीब एक करोड़ की राशि मंजूर की गई है।

राज्य सरकार चिकित्सकों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील : डॉ आर राजेश कुमार

देहरादून। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मनोज वर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार से मुलाकात कर चिकित्सा समुदाय से जुड़ी विभिन्न लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के विशेषज्ञ चिकित्सकों से संबंधित प्रमुख समस्याओं को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। वार्ता के दौरान संघ ने विशेष रूप से उन विशेषज्ञ चिकित्सकों के हित में बात रखी जो वर्ष 2016 और 2017 में पोस्ट ग्रेजुएशन (च्ळ) हेतु गए थे। इन्हें अनुमन्य किए गए असाधारण अवैतनिक अवकाश (ईओएल) को अवैतनिक अध्ययन अवकाश में परिवर्तित किए जाने की माँग प्रमुखता से उठाई गई। यह परिवर्तन न केवल सेवा पुस्तिका में स्पष्टता लाएगा, बल्कि चिकित्सकों की वरिष्ठता और भविष्य की प्रोन्नति पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा।स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरतापूर्वक सुना और कहा कि राज्य सरकार चिकित्सकों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। पीजी में गए चिकित्सकों के अध्ययन अवकाश से जुड़ा यह विषय तकनीकी व प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और हम इसे यथोचित प्राथमिकता के साथ हल करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन की मंशा है कि चिकित्सकगण बिना अनावश्यक बाधाओं के अपने दायित्वों का निर्वहन करें और उनकी सेवा संबंधित सभी विषयों का निराकरण पारदर्शिता एवं नियमों के अनुरूप किया जाए।स्वास्थ्य सचिव के इस आश्वासन से चिकित्सा समुदाय में संतोष और

भरोसे का वातावरण बना है। इस महत्वपूर्ण बैठक में डॉ. परमार्थ जोशी, डॉ. निशांत अंजुम एवं डॉ. अभिषेक नौटियाल भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए मुद्दों को लेकर चिकित्सा समुदाय में नवीन आशा, विश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।